News Cast RNI No. : RJHIN/26/A6862
रविवार, 6 सितम्बर 2026 | वर्ष : 1 | अंक : 15 | पृष्ठ : 5
न्यूज़ कास्ट
दैनिक डिजिटल ई-पेपर संस्करण

एसकेआरएयू में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस, विद्यार्थियों ने जताया सम्मान

NewsCast.co.in
न्यूज़ कास्ट

बीकानेर। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर शनिवार को एसकेआरएयू में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन निदेशालय सभागार में हुए कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. वीर सिंह ने कहा कि शिक्षक मनुष्य के जीवन की नींव मजबूत करते हैं और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रंथों में भी शिक्षक की भूमिका को स्वीकार किया गया है। उन्होंने शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों से विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। डीन पीजी डॉ. राजेश वर्मा ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा देने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों का सम्मान करने और उनके मार्गदर्शन से अपने लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया। डॉ. सुभाष चंद्र बलवदा ने कहा कि गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती और विद्यार्थी गुरु के दिखाए मार्ग पर चलकर जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में गीत, कविता और विचार प्रस्तुत किए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एचएल देशवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया और पूर्व राष्ट्रपति एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन परिचय से अवगत कराया। इंजीनियर जीके गौड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. विवेक व्यास ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 03-09-2026

20 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली, कृषि अनुसंधान, नवाचार व कृषि उद्यमिता में नए द्वार खुलेंगे

कृषि विवि में एआई आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्वीकृत, पश्चिमी राजस्थान का पहला सेंटर होगा

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

प्रदेश के किसानों को अब एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित कृषि शोध, अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी समाधान सहित अन्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पश्चिमी राजस्थान का पहला एआई आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा 20 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। कुलगुरु डॉ. आरबी दुबे ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यापक उपयोग के मद्देनजर कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए यह सेंटर मील का पत्थर साबित होगा। प्रदेश की विषम जलवायुवीय दशाओं के अनुरूप कृषि अनुसंधान व नवाचारों को भी इस सेंटर माध्यम से नई ऊंचाई मिल सकेगी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजनाओं के क्रियान्वयन को मंजूरी प्रदान की है। 12 अगस्त को प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड (पीएबी) की बैठक में यह स्वीकृति दी गई। इनमें उत्तर भारत में राजस्थान के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में एक प्रोजेक्ट के अतिरिक्त गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना, मणिपुर मेघालय में कुल 8 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय के निर्देशानुसार सेंटर स्थापना एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ की जाएगी। सेंटर में एआई के साथ इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकों की सहायता से फसलों की वास्तविक समय में निगरानी, रोग एवं कीटों की शीघ्र पहचान, मौसम आधारित कृषि सलाह तथा सिंचाई के लिए जल की सटीक आवश्यकता का आकलन भी संभव हो सकेगा। इससे जल संरक्षण, उत्पादन लागत में कमी तथा फसल उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकेगी।

यह सेंटर केंद्र सरकार, राजस्थान सरकार तथा उद्योग व एसकेआरएयू के 40:40:20 सह-वित्तपोषण मॉडल पर आधारित होगा।

ये क्षेत्र रहेंगे प्राथमिकता में

यह केंद्र विशेष रूप से शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों की कृषि समस्याओं के समाधान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का विकास करेगा और प्रदेश में कृषि नवाचारों के लिए अनुसंधान करेगा। बीकानेर को देश की शुष्क कृषि का प्राकृतिक प्रयोग क्षेत्र माना जाता है। यहां की अत्यधिक विषम जलवायुवीय परिस्थितियां, सीमित जल संसाधन तथा अनियमित वर्षा जैसी परिस्थितियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्थानीय किसानों को इन चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान, विश्लेषण और परिणामोन्मुखी कृषि की ओर जाने में मदद करेगी।

हाइटेक सुविधाओं से होगा लैस

स्वीकृत प्रस्ताव में केंद्र में अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (HPC), जीपीयू आधारित एआई लैब्स, एआई स्किलिंग अकादमी, कृषि एवं जलवायु नवाचार प्रयोगशालाएं, स्टार्टअप इनक्यूबेशन हब तथा रिस्पांसिबल एआई सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन सुविधाओं के माध्यम से सटीक कृषि, जल प्रबंधन, पशुपालन, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि तथा ग्रामीण विकास के लिए एआई आधारित उन्नत समाधान विकसित किए जाएंगे।

खुलेंगे किसानों की समृद्धि व उद्यमिता के नए द्वार : केंद्र न केवल शुष्क क्षेत्रों में खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल बनाने में मददगार होगा, बल्कि प्रदेश को एआई आधारित कृषि अनुसंधान, नवाचार और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इससे नयी पहचान मिलेगी।

पश्चिमी राजस्थान का पहला एआइ आधारित सेंटर, नवाचार व कृषि उद्यमिता में खुलेंगे नए द्वार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. प्रदेश के किसानों को अब एआइ (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित कृषि शोध, अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी समाधान सहित अन्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में पश्चिमी राजस्थान का पहला एआइ आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार की स्वीकृति प्रदान की गई है। विवि से जुड़े जानकारों के अनुसार एआइ के व्यापक उपयोग के मद्देनजर कृषि और किसानों के समृद्धि के लिए यह सेंटर मील का पत्थर साबित हो सकेगा। प्रदेश की विषम जलवायुवीय दशाओं के अनुरूप कृषि अनुसंधान व नवाचारों को भी इस सेंटर माध्यम से नई ऊंचाई मिल सकेगी।

एसकेआरएयू में एआइसेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए केंद्र सरकार की ओर से 20 करोड रुपए की स्वीकृति दी गई है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजनाओं के क्रियान्वयन को मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय के निर्देशानुसार सेंटर

स्थापना एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

सुविधाओं से होगा लैस

यह केंद्र विशेष रूप से शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों की कृषि समस्याओं के समाधान के लिए एआइ आधारित तकनीकों का विकास करेगा और प्रदेश में कृषि नवाचारों के लिए अनुसंधान करेगा। बीकानेर को देश की शुष्क कृषि का प्राकृतिक प्रयोग क्षेत्र माना जाता है। यहां की अत्यधिक विषम जलवायु परिस्थितियां, सीमित जल संसाधन तथा अनियमित वर्षा जैसी परिस्थितियों में एआइ स्थानीय किसानों को इन चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान, विश्लेषण और परिणामोन्मुखी कृषि की ओर जाने में मदद मिलेगी। स्वीकृत प्रस्ताव में केंद्र में अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, जीपीयू आधारित एआइ लैब, एआइ स्किलिंग अकादमी, कृषि एवं जलवायु नवाचार प्रयोगशालाएं, स्टार्टअप इनक्यूबेशन हब तथा रिस्पांसिबल एआई सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन सुविधाओं के माध्यम से सटीक कृषि, जल प्रबंधन, पशुपालन, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि तथा ग्रामीण विकास के लिए एआइ आधारित उन्नत समाधान विकसित किए जाएंगे।

जल की सटीक आवश्यकता का आकलन भी संभव

सेंटर में एआइ के साथ इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकों की सहायता से फसलों की वास्तविक समय में निगरानी, रोग एवं कीटों की शीघ्र पहचान, मौसम आधारित कृषि सलाह तथा सिंचाई के लिए जल की सटीक आवश्यकता का आकलन भी संभव हो सकेगा। इससे जल संरक्षण, उत्पादन लागत में कमी तथा फसल उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। अगले चार वर्षों में विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं एवं कृषि विशेषज्ञों को एआइ आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने, स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने, बौद्धिक संपदा विकसित करने, उच्च गुणवत्ता वाले शोध को बढ़ावा देने तथा नए रोजगार के अवसर सृजित करने की योजना भी इस सेंटर के लक्ष्यों में शामिल है।

खुलेंगे उद्यमिता के नए द्वार

केंद्र न केवल शुष्क खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल बनाने में मददगार होगा, बल्कि प्रदेश को एआइ आधारित कृषि अनुसंधान, नवाचार और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इससे नई पहचान मिलेगी।

-डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे,
कुलगुरु, एसकेआरएयू

यादों
ग्रुप की
नरेंद्र सि
आयोजि
आशा भ
कुमार व

डिस्ट्रीब्यूटरशिप टर्मि
मेसर्स **पिट्टी ऑटो सेंटर,** गंगा
बीकानेर को कम्पनी के प्रोडक्ट की
डिस्ट्रीब्यूशन न कर पाने की वज
कम्पनी ने उपरोक्त को दिनां
डिस्ट्रीब्यूटरशिप से टर्मिनेट कर दिया
त्रिवेणी अलमीरा के सभी सम्मा
एवं डीलर, किसी भी प्रकार की सं
एड्रेस पर संपर्क करें।
त्रिवेणी अल
Email : info@trivenialmirah.com | Websi